

बहुआयामी विकास के लिए साइंस-आर्ट्स के विद्यार्थियों के बीच होगा संवाद



पत्रिका
ग्रांड रिपोर्ट

289 सरकारी कॉलेज हैं प्रदेश में

37 कॉलेज इसी सत्र में किए गए शुरू

05 लाख छात्र-छात्राएं हैं इन कॉलेजों में

कॉलेज आयुक्तालय ने लॉन्च की आइडिया योजना फरवरी तक चलेंगी प्रतियोगिताएं परीक्षाएं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रारूप में अंतर संकाय (इंटर डिस्प्लेनरी) शिक्षा का मॉडल प्रस्तावित किया गया है। हालांकि, इस नीति पर अभी संवाद व सुझावों का दौर ही चल रहा है। नीति लागू होने से पहले राज्य सरकार ने इस मॉडल के अनुरूप शिक्षा की नई योजना इंटर डिस्प्लेनरी एजुकेशनल एसोसिएशन (आइडिया) को लॉन्च किया है।

इसके तहत कॉलेजों में विज्ञान-कला व वाणिज्य संकाय के विद्यार्थी एक मंच पर विभिन्न विषयों पर संवाद करेंगे, ताकि उनका बहुआयामी विकास हो सके। विद्यार्थियों को



नैक गेडिंग में भी आएगा काम

अंतर विषय संवाद से कॉलेजों को नैक व एएपी की गेडिंग में भी लाभ मिलेगा। दरअसल, कुछ समय बाद ही नैक के लिए मूल्यांकन होना है। इसके लिए आयुक्तालय ने इस गतिविधियों के रिकार्ड रखने के भी निर्देश दिए हैं।

प्रतियोगी परीक्षा में लिखित व इंटरव्यू के लिए तैयार किया जा सके। सभी विषयों में हो रहे नवाचारों की जानकारी मिल सके। साथ ही शोध का वातावरण तैयार किया जा सके।

यह है योजना

विज्ञान के छात्रों को वाणिज्य व कला संकाय व वाणिज्य और कला संकाय के विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए सभी राजकीय महाविद्यालयों में एक इंटर डिस्प्लेनरी एजुकेशनल एसोसिएशन (आइडिया) समिति की स्थापना की जाएगी। कॉलेज के प्रिंसिपल इस समिति के अध्यक्ष होंगे। अंतर संकाय संवाद के लिए विभिन्न संकायों के सदस्यों को आयोजन सचिव व सह-सचिव बनाया जाएगा। इसके अलावा

छात्रों को दूसरे विषय की मिलेगी जानकारी

रेस योजना के तहत यह नवाचार शुरू किया गया है। इससे विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र के साथ-साथ दूसरे विषयों की भी जानकारी मिलेगी।

प्रदीप कुमार बोरड़,
आयुक्त, कॉलेज शिक्षा व
विशिष्ट शासन सचिव, उच्च शिक्षा

अधिकतम पांच संकाय सदस्य होंगे। वहीं अंतिम वर्ष के 10 छात्र-छात्राओं को समिति का सह सदस्य बनाया जाएगा। इसके तहत हर माह में दूसरे व चौथे शनिवार को दोपहर 2 से 3.30 बजे तक सत्रों का आयोजन किया जाएगा। संकाय सदस्य व विद्यार्थी किसी भी राजनैतिक या विवादित विषय के अलावा सामान्य विषय पर प्रजेंटेशन देंगे। व्याख्यान में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। यह कार्यक्रम फरवरी माह तक चलेंगे।